अखबारी कागज की कमी

1327. **श्री राम प्यारे पनिका : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ महीने पहले देश में अखबारी कागज की कमी हो गयी थी;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण थे। और क्या सरकार अखबारी कागज की वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने में समर्थ है;

(ग) यदि हां, तो क्या सभी समाचार पत्रों को अखबारी कागज की सप्लाई पर्याप्त मात्रा में की जा रही है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) और (ख) मुख्यतया पोत और गोदी कर्मचारियों की हड़ताल के कारण वर्ष के शुरू में अखबारी कागज की अस्थायी कम सप्लाई रही है। इस समय अखबारी कागज की अस्थायी मांग की उपेक्षित हद तक स्वदेशी उत्पादन तथा आयातों द्वारा पूर्ण रूप से पूरा किया जा रहा है।

(ग) जी, हां।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

ग्रामीण विद्युतिकरण कार्यक्रम में रेगिस्तानी तथा पर्वतीय क्षेत्रों की उपेक्षा

1328. **श्री बुद्धि चन्द्र जैन : क्या ऊर्जा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्र सरकार ने ग्रामीण विद्युतीकरण के मामले में देश में पर्वतीय तथा रेगिस्तानी क्षेत्रों की अपेक्षा की है;

(ख) यदि हां, तो इस उपेक्षा के क्या कारण हैं; और

(ग) इन क्षेत्रों में विद्युतीकरण कार्यक्रम चलाने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा उठाए जाने वाले ठोस कदमों का पूरा ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ मोहम्मद खां) : (क) से (ग) पहाड़ी तथा रेगिस्तानी क्षेत्रों सहित पिछड़े क्षेत्रों में विकास की गति में तेजी लाने की सरकार की नीति के अनुसरण में बिजली के विस्तार को अपेक्षित प्राथमिकता दी जा रही है। क्षेत्रीय विषमताओं को कम करने तथा इन क्षेत्रों में ग्राम विद्युतीकरण सम्बन्धी गतिविधियों को बढ़ावा देने की दृष्टि से तथा राज्यों के प्रयासों की पूर्ति करने के लिए एक राष्ट्रीय न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ऋण सहायता के लिए मानदण्डों को उदार बनाने के साथ व्यापक रूप में नीतियां तैयार की गई हैं।

इसके अतिरिक्त, स्थलाकृति और स्थानीय परिस्थितियों आदि के कारण जिन क्षेत्रों में परम्परागत पारेषण प्रणालियों द्वारा ग्राम विद्युतीकरण करना व्यवहार्य नहीं है, तब इन क्षेत्रों की भारी मांगों को पूरा करने के लिए माइक्रो/मिनी जल-विद्युत जेनरेटरों के साथ-साथ डीजल जेनरेटिंग सैट प्रतिस्थापित किए जा रहे हैं। तथापि इन क्षेत्रों में निम्नलिखित कारणों की वजह से विद्युतीकरण में कुछ कठिनाईयां हैं जैसे कम आधारभूत सुविधाओं का होना, विद्युतीकरण की अधिक लागत होना तथा सर्विस कनेक्शन प्रभार अधिक होना आदि है। इन बाधाओं को जहां तक सम्भव है, उपलब्ध साधनों से ही दूर करने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।